देखके लब निहाल है

20 SATURDAY January

मगही भाषा के प्रतिनिधि,
कविता संग्रह देख लब निहाल है।
प्रज्ञा प्रतिष्ठान के कृति,
भईया बड़ी अनमोल है।
पढ़ के देख छाप मगही में,
इतिहास अउ भूगोल है।
गौतम बुद्ध-महावीर-कबिर,
रैदास के भी बोल है।
नश्वर विचलन संसार के,
साची धरा ई गोल है।
कहलन्हे है सूफि-संत जन,
एकर न कोई तोल है।
धर्म एकता अई धारा,
के मरम मिशाल है
कविता लिखलन सब कविजनके,
नेपाल नाम के पाल है।
भारत, भूटान, लंका उपरि,
सब के दूरा कमाल है।
विश्व में रोशनी फैलो रहला,
चमकाईत है जेकर भाल है।
हो गेल प्रस्तावना प्रभुजे,
समझऽ उ मानो माल है
अमर रहऽ भईया वीरबहादुर,
देहाती- मां भारती के लाल है
मगही भाषा के प्रतिनिधि
कविता संग्रह देख लब निहाल है

~~महेन्द्र प्रसाद~~ देहाती

महेन्द्र प्रसाद देहाती 27.10.2024
सोनभद्र

मगही भाषा के प्रतिनिधि कविता संग्रह

श्री ज्ञानी वीर बहादुर गहतो जी के संपादन में - नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान कमलादी काठमांडो से छपल हे

हे हति ना - जे अन्तरसांस्कृतिक प्रयास सधये वीर बहादुर भाई कयलन हे - ओकरा ला हम उनका बहुत - बहुत साधुवाद देइत ही।

माननीय इ संस्था के कुलपति महोदय के मन्तव्य हे कि इ संस्था के माध्यम से भाषा - संस्कृति - धर्म दर्शन आदि क्षेत्र में रहल मुलक के विविधता के सम्बोधन करइत एहन विविधता भितर जगत के सब विद्वान के एकसुत्र में समेटले आगो बढ़ना कोटिवद्ध हव

अन्तरसांस्कृतिक जगत में स्थापित समान प्रकृति के प्रज्ञामीक सब संस्था साथे संस्थागत समझदारी बढ़वइत प्रायिक - आदान - प्रदान के मार्फत नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान के अन्तरसांस्कृतिक टिमी उजागर सबके सहयोग के साथे सब तरह के साहित्यीक काय - जइसे कवि गोष्ठि - सेमिनार सभा - सम्मेलन - अध्ययन - अनुसंधान - अनुवाद आदि के सहारे प्रज्ञा प्रतिष्ठान विश्व में प्रकाश फैला रहल हे इ एगो बड़गो बात हे।

जे भारत के वशुधैव कुटुम्बकम

के पोशाक है। एकर विस्तार के हम मंगल कामना करऽ ही।

श्री गङ्गा प्रसाद उपेती कुलपति जी के नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान के मन्तव्य हेतु हम इनकर विश्व एकता के सुंदर साहित्यीक सोंच ला साधुवाद देइत ही आउ इ इनकर सोंच के लक्ष्य प्रयास के प्रतिफल है- मगही गाथा के- प्रतिनिधिकविता संग्रह।

हमरा इनकर सफलता पर नाज है हमरा उगाशान बलुक विश्वास है कि आगो भी इ तरह के काम करके विश्व में नाम करतन- जेकरा में हमरा आइलन सुपुर देहाती के- विश्वस्तरीय कवि बना के मान सम्मान देलन।

हमनी के हर तरह के सहयोग ला इनका सानो कन्धा से कन्धा मिला के चलेला तइयार ही

सचमुच प्रज्ञा उच्चआत्म के प्रभावहा से देशों के माध्यम से विश्व स्तरीय पहचान बनावे में नेपाल के गाथा साहित्य- धर्म दर्शन संस्कृति आदि गाथा के संरक्षण आउ विकास ला नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान के स्थापना कयल गेल है।

बात सच्च है कि- कोइ देश के गणना उनकर- गाथा साहित्य सभ्यता संस्कृति से कयल जा है

उ

अपने मगध क्षेत्र में कहावत है कि चार कोस पर पानी आउ छव कोस पर वाणी बदल जाहे - विश्व भर में क्षेत्रीय भाषा में कुछ अन्तर जरूर हो जाहे आखि हमन मगध क्षेत्र के लोग जहां भी रहब अपन मगही दीपा जलौ नै रखइ में सुमतन हैं।

आउ नेपाल तो हमर पड़ोसी देश हे। धर्म-सभ्यता संस्कृति सब से मेल खा हे भी हां तो मगही भाषा के प्रतिनिधि कविता संकलन के माध्यम से मगही भाषा जे नेपाल के तराई में मधेश में बोलल जा हे -

- अपन प्रकाशकीय में उपकुलपति महोदय बतावल - पाश्चात्य रूप की ई पुस्तक के प्रकाशन से बिहार (भारत) के क्षेत्र में बोले वाला भाषा जे सम्राट अशोक के काल में बोले जाय वला भाषा हे फेनु विश्व स्तरिय प्रचार प्रसार भी होयते

पुस्तक प्रकाशन में जुटल साहित्य मोती भाषा प्रमुख लक्ष्मी मालवी जी अपन विचारीय मन्तव्य में - कहलन हे कि ई गहन विषय में अपन अमुल्य समय देके मगही भाषा के प्रतिनिधि कविता संकलन प्रकाश में ला के महान साहित्य कार आउ कवि श्री वीर बहादुर गहतोजी हार्दिक आभार आउ धन्यवाद के पात्र हथ -

ई पुस्तक सुन्दर रूप देवे में सब सहयोगी आभार के पात्र हथ हम बिहार से छ महेन्द्र यादव देहाती जे

इस गाइड बंधु के द्वारा विश्वस्तरीय
आधिकारिक नाम तैयार किया जाएगा
देहरादून की इस की यात्रा-स्थलों
के मैडम पर आधारित सुझाव विकसित
करना -

देहली

10 January '24 WEDNESDAY

अन्त में आदरणीय श्री वीरबहादुर गहतोड़ी जी से हमर बड़े गहे हथ-

इनका से हमर पहिला मुलाकात - विश्व मगही परिषद के माध्यम से तेल आउ साक्षात्कार-कालिदास रंगालय के कार्यक्रम के दौरान भेल-जहां हमनी के ग्रुप फोटो भी भेल हल जारी रहल आउ. दिल्ली में डा० रामप्रसाद सिंह अंतरराष्ट्रीय साहित्य पुरस्कार के 10 जुलाई ~~2023~~ 2023 - 25 दिसंबर 2024 गांधी प्रतिष्ठान नई दिल्ली में भेल. जे - जीवन - के सबसे यादगार दिन रहल -

जी हां तो अन्त में उ अपन आभार व्यक्त करलन हे.

जिनकर संपादन में ई प्रतिनिधि कविता संग्रह विश्व के कोना-कोना में अपन प्रकाश जैसा रहल है

जेकरा से हमनी मगहीभाषा सिर विश्व में उंचा भेल है

साहित्य समाज के दर्पण है। समाज में चलित होवे होवे वाला गतिविधियन पर पैनी दृष्टि जब पड़ है तऽ उ देश भाषा में होवे वाला उतार-चढ़ाव-विकास के इतिहास- साहित्यकेंगार खुशी-गम वीरत्व-रूदन एवं उकाश में आजाद है पीछे के कालखंड में एगो-कहानी-कोई कोटेशन-वाक्य पढ़ली हल कि

January 12 FRIDAY

मुरमुरे के ऊपर में पकने वाली चिड़ियां सेवईं उपलब्ध ही नहीं करते बल्कि रोते भी हैं

मगही देशज भाषा मागधी देशज के अब कहीं प्रस्तुत कथन ठीक है।
जैसे - नेपाल - भारत बर्मा - भूटान - बंगला देश - अफगानिस्तान - श्री लंका - चीन - थाइलैंड - अमेरिका - विदेश - इंडोनेशिया - पाकिस्तान इत्यादि देशों में बसे वासी मगहिया समाज में चरोहर हैं

ये मागधी मूल भाषा मगध (बिहार भारत) राजतंत्र आधी है - संत कवि गुरु रैदास आदि महामना - बुद्ध - चन्द्रवर्ती सम्राट अशोक महान आदि कवि साहित्यकार - सह पाद सरहपा - कनह पा तिर्थंकर महावीर स्वामी के बारे में लिखे गए काव्य वीर बहादुर महतो जी कथन है दृष्टव्य - आज डिजिटल युग में इ भाषा के प्रचार प्रसार बढ़ाने से हो रहल है अत्यंत दृष्टव्य - वाट्सप फेसबुक आदि पर हर तरह के साहित्य परोसल जा रहल है
आज ऑन लाइन के माध्यम से देश - विदेश के लोग एक मंच पर एकत्रित हो के कविता - कहानी आदि की प्रचार प्रसार में लगल हथ
विश्व मगही परिषद पटना दिल्ली जैसन - महा अधिवक्ता श्री नागेन्द्र नारायण जी - हलन - तब अद्यपर्यन्त

"I

डा. गंगेश गुंजन जी द्वारा पुस्तक
हस्तांतरण करने के बाद पुस्तक
उपलब्धता की जानकारी विद्यानन्द जी द्वारा
फोन पर प्राप्त होने पर मैं
कोलकाता + श्री कमल कुमार बाड़ाणी
बाड़ा - श्री रमेश कलकत्तावाले श्री लोक
उपाध्यायजी श्री पान जी - इनको
धन्यवादार्थी हूँ -
इस अवसर पर मुझे ये कहने दें कि
इस कार्य के सहयोग में आज
विश्व के परिदृश्य में मातृभाषा कितना महत्व
रखती है
इस मोहन्द्र प्रसाद, देवकी - विश्वकर्मा
स्वीय एवं परिवार बाड़ा -
के विशेष आग्रह में पत्रकारिता के विकास
में - सेवा - वाणि वाचिक पत्रकार
- सम्पादन - स्तम्भकार जी को इस
- सब - धन्यवाद के पात्र हैं -
अन्त में हम मातृभाषा के अतिरिक्त
(कविता संग्रह) को
सम्पादक - श्री वीर बहादुर गहतोड़ी
प्रकाशक - नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान
सम्पर्क - नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान
संस्करण - पहिला वि सं - २०७४ (२००० प्रति
कम्पोजर सेटिंग - रजन चिनिखरे जी
कवर पेज - सीताराम राई जी
मुद्रण - प्रज्ञा पुस्तकालय कमलाकी आठगांउ

16 TUESDAY January 24

8

हम हृदय न बिलुप्त विश्वास कड़ी
की लगाने भी हमनी जइसन गुनल गटकल
देहाती कवि के अन्तर शक्तिस्रोत
बनावे - गांधी शांति प्रतिष्ठान में
डा० एम प्रसाद सिंह जइसन पुरोधा मगही के
पचीचीला

डा० रामप्रसाद सिंह उत्तर शक्तिस्रोत साहित्य
पुरस्कार (10 जुलाई - 1923)

25 - दिसंबर 2024 के - देश विदेश
के साहित्यकार के - मान सम्मान के साथ
प्रमाण- पत्र देके सम्मानीत कपल गेल
जेकरा लगा हमनी अपने भाई वीर बहादुर
महतो जी के कोटी-कोटी साधुवाद
देवेला ही.

सरल रहे मंडार मगही,
है हमर शुभ कामना।
अहरहत रहे जग में पताका,
भीमन है सबके भावना।

देहली
21.10.2024

मगही भाषा के प्रतिनिधि कविता संग्रह में
इक्कसवीं सताब्दी - हमर भाई बन्धु जे - अपन
सबिता के माध्यम से योगदान देलन हे
जइसे - सन्त लाल, मुनेश्वर महतो आचार्यजीवान
नरेन्द्र प्र० सिंह - विनोद महतो - महेन्द्र प्र० देहाती,
सुरेन्द्र महतो - मुकेश संजीवनी, कुन्दीप महतो - फुलगेना मगही
सुशान्त जी - लालमणी विश्वनत, डा० नरेश प्रसादकामी -
डा० नुतन सिंह - मणिकान्त मणि, पूजा ऋतु राज - मुरली यादव,
वीणा सिंह, राज कुमारी महतो, डा० शोभा कुमारी/राकेशदत्त
उपेन्द्र दास, विजय दास - श्याम यादव, महादेव
कुशवाहा - जयनाथ कवि - डा० राखी सिन्हा - डा० दिलीप कुमार
डा० लक्ष्मण प्र० सिन्हा - डा० नरेश प्र० वर्मी, राजकुमार
अजय - डा० रामनन्दन प्रसाद - डा० अमरदेव प्रसाद/अरुण कुमार
डा० नाज सिन्हा आदि - कवि गण - सामाजीक - रीति
सुरुती - प्रकृति शृंगार - हास्य व्यंग्य आदि
कवे के माध्यम से समाज घटीत होवे वाला
नीति - राजनीति के उपर प्रभाव - सुश्री गत
दशकी गरीबि - भ्रष्टाचार - राजनैतिक परिवेश
- आदी प्रकृति में ~~सबे~~ - घटीत होवे वला
तरह - तरह के - कथानक जे विश्वस्त पड़ल हे
लोकर पर प्रभाव डालले हे -
इ सब सिवा हल्ला कवि हथ जिनकर
रचना - पत्र पत्रिका - सम्पादन आदि के
माध्यम से सामजीक सुधार में लगल हथ
- सब प्रशंसा के पात्र हथ - इनकर
प्रयास - से निश्चय के कोना - कोना इ - जोर होइत
रहे इहे हमर हार्दिक कामना हे
कि बहादुर गइया के साथ
हम महेन्द्र प्रसाद देहाती
सुरक्षवर - मगही विभाग में जहानाबाद / अरवल
सहयोग - देहाती पुस्तकालय सह संग्रहालय - लोनगढ़